Dainik Bhaskar, Surat, 16/09/2025
Page No: 2, Size: 25.74cm × 19.45cm

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट • 38,394 वर्गमीटर में बन रहा स्टेशन आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा

आम के बाग की थीम पर बन रहा बिलीमोरा हाई स्पीड स्टेशन, रेल और प्लेटफॉर्म लेवल स्लैब की कास्टिंग पूरी

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर | सूरत

अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट के बिलीमोरा स्टेशन का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। यह स्टेशन नवसारी जिले के केसली गांव में बनाया जा रहा है। स्टेशन का डिजाइन विशेष रूप से बिलीमोरा की प्रसिद्ध आम की बागवानी (मैंगो ऑर्चर्ड) से प्रेरित है, जिसे स्टेशन के फसाड में दर्शाया गया है। करीब 38,394 वर्गमीटर में यह स्टेशन आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। एस्केलेटर, लिफ्ट, बिजनेस क्लास लाउंज, चाइल्ड केयर सुविधा और कंवीनियंस स्टोर्स जैसी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। रेल और प्लेटफॉर्म लेवल स्लैब कास्टिंग पूरी हो चुकी है। स्ट्रक्चरल स्टील की एरेक्शन प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई है। आर्किटेक्चरल फिनिशिंग और एमईपी (मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और प्लंबिंग) का काम चल रहा है।

बिलीमोरा बुलेट ट्रेन स्टेशन की खास बातें

- बिलीमोरा स्टेशन का डिजाइन आम की बागवानी से प्रेरित, क्षेत्रीय पहचान को दर्शाता है।
- स्टेशन 38,394 वर्ग मीटर क्षेत्र में आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा।
- रेल-प्लेटफॉर्म लेवल स्लैब कास्टिंग व स्ट्रक्चरल स्टील का कार्य पूरा।
- आर्किटेक्चरल फिनिशिंग और एमईपी कार्य प्रगति पर है, यात्री सुविधाओं पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

Rajasthan Patrika, Surat, 16/09/2025
Page No: 2, Size: 40.51cm × 17.38cm

केसली गांव में 38,394 वर्ग मीटर और ऊंचाई 20.5 मीटर क्षेत्रफल में बन रहा स्टेशन आधुनिक सुविधाओं से होगा लैस

बिलीमोरा बुलेट ट्रेन स्टेशन : आम के बागों से प्रेरित चमकता ढांचा

बिलीमोरा बुलेट ट्रेन स्टेशन

बिलीमोरा स्टेशन का डिजाइन आम के बागों से प्रेरित

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत. मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के तहत नवसारी जिले के बिलीमोरा तहसील में केसली गांव में बन रहा बुलेट ट्रेन स्टेशन तेजी से आकार ले रहा है। चमकीले पीले स्टील ढांचों के साथ यह स्टेशन बिलीमोरा के हरे-भरे आम के बागों को प्रतिबिंबित करता है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के अनुसार, स्टेशन का डिजाइन स्थानीय मेंगो ऑर्चर्ड से प्रेरित है।

38,394 वर्ग मीटर क्षेत्रफल और 20.5 मीटर ऊंचाई वाला यह स्टेशन लिफ्ट, एस्केलेटर, बिजनेस क्लास लाउंज, बाल देखभाल सुविधा और सुविधा स्टोर जैसी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा। रेल और प्लेटफॉर्म स्लैब ढलाई के साथ स्ट्रक्चरल स्टील कार्य पूरा हो चुका है। अब आर्किटेक्चरल फिनिशिंग और मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल व प्लम्बिंग कार्य प्रगति पर हैं।

क्षेत्रीय विकास का केंद्र : बिलीमोरा स्टेशन सूरत-बिलीमोरा सेक्शन को जोड़ने के साथ दक्षिण गुजरात के लिए हाई स्पीड रेल का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।

यह आधुनिकता और स्थानीय पहचान का संगम होगा, जो यात्रियों को सुरक्षित व आरामदायक यात्रा के साथ क्षेत्र के आर्थिक-सामाजिक विकास को बढ़ावा देगा।

परियोजना में अब तक कितना कार्य

320 किमी वायाडक्ट निर्माण
397 किमी पियर निर्माण
408 किमी पियर फाउंडेशन

- 17 नदी पुल, 09 स्टील ब्रिज और 05 पीएससी (प्री स्ट्रेस्ड कंक्रीट) ब्रिज पूरे
- 203 किलोमीटर लंबे मार्ग पर 4 लाख नॉइज बैरियर लगाए गए
- 202 किलोमीटर ट्रैक बेड का निर्माण पूरा
- 1800 ओएचई मास्ट इनस्टॉल किए गए, जो लगभग 44 किमी मुख्य लाइन वायाडक्ट को कवर कर रहे
- महाराष्ट्र में बीकेसी और शिलफाटा के बीच 21 किलोमीटर लंबी सुरंग का कार्य प्रगति पर
- पालघर जिले में 07 पर्वतीय सुरंगों पर खुदाई का कार्य प्रगति पर
- गुजरात के सभी स्टेशनों पर अधिरचना का कार्य अग्रिम चरण में
- महाराष्ट्र के सभी तीन एलिवेटेड स्टेशनों पर कार्य शुरू
- मुंबई भूमिगत स्टेशन पर बेस स्लैब कास्टिंग का कार्य प्रगति पर

आम के बागों से मिली प्रेरणा

बिलीमोरा स्टेशन का डिजाइन आम के बागों से प्रेरित है। यहां रेल और प्लेटफॉर्म लेवल स्लैब कास्टिंग का काम पूरा हो चुका है। साथ ही स्ट्रक्चरल स्टील की एरेक्शन प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई है। वर्तमान में स्टेशन पर आर्किटेक्चरल फिनिशिंग, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और प्लंबिंग का कार्य चल रहा है।

सुषमा गौड़, प्रवक्ता, एनएचएसआरसीएल।

Divya Bhaskar, Navsari, 16/09/2025
Page No: 1, Size: 21.22cm × 18.81cm

Completion of Bilimora station of bullet train, final work underway

બુલેટ ટ્રેનના બીલીમોરા સ્ટેશનનું ફિનિશિંગ, અંતિમ કામગીરી જારી

નવસારી જિલ્લામાંથી પસાર થનારી બુલેટ ટ્રેનની એકમાત્ર સ્ટેશન કેસલી ગામે બીલીમોરા સ્ટેશનના નામે બની રહ્યું છે. હાલ સુધીમાં રેલ, પ્લેટફોર્મ લેવલ સ્લેબ કાસ્ટીંગ તથા સ્ટ્રક્ચરલ સ્ટીલ ઈરેક્સનનું કામ પૂરી થઈ ગયું છે. હાલ આર્કિટિક ફીનીશીંગ તથા મિકેનિકલ ઈલેક્ટ્રીકલ કામ જારી છે.